Title: Need to take steps for full utilization of storage capacity provided by Food Corporation of India at Ratlam in Madhya Pradesh.*

डॉ0 लक्ष्मीनारायण पाण्ड्ेय (मंद्सौर): भारतीय खाद्य निगम के हाल ही के एक निर्णय के कारण देश भर में हजारों की संख्या में कर्मचारियों के सामने संकट खड़ा हो गया है। भारतीय खाद्य निगम द्वारा उसके अधीन कई महत्वपूर्ण स्थानों में स्थित "भण्डार" बंद किये जा रहे हैं जिनकी भंडारण क्षमता वास्तविक रूप में 10 हजार से ऊपर होकर 14 हजार तक की है। इनमें रतलाम जैसा महत्वपूर्ण केन्द्रीय स्थान भी है, जहां से नीमच, मंद्सौर, रतलाम व झाबुआ की खाद्यान्न की आवश्यकताएं पूरी की जाती रही हैं। यह स्थान ब्राड गेज व मीटर गेज से जहां जुड़ा हुआ है वही राट्रीय राजमार्ग व राजकीय राजमार्ग से भी जुड़ा हुआ है। महत्वपूर्ण रेल्वे जंक्शन होने के कारण लोडिंग, अनलोडिंग की सारी व्यवस्थाएं हैं। निगम के इस अचानक लिए गये निर्णय से जहां हजारों कर्मचारी संकट का अनुभव कर रहे हैं वहीं साथ के जिलों में "भण्डारण" की व्यवस्था बिगड़ने व सप्लाई व्यवस्था भी गड़बड़ाने की पूरी आशंका है। भंडारण का कार्य अन्य एजेंसी को सौंपे जाने की दशा में स्वनिर्भरता नही रहेगी और जन सामान्य को अत्यधिक कठिनाई हो सकती है। रतलाम में वर्तमान में भंडारण व्यवस्था यद्यपि नौ हजार ही प्रदर्शित की गयी है किंतु वास्तव में भंडारण सदैव ही 10 से 14 हजार तक का हुआ है।

अतः मेरा सार्वजनिक उपभोक्ता मंत्री महोद्य से अनुरोध है कि रतलाम की मध्यवर्ती स्थिति व भंडारण क्षमता को देखते हुए वहां की भंडारण व्यवस्था यथावत रखी जावे जिससे जनसाधारण को यथावत सुविधा मिलती रहे साथ ही कर्मचारियों में व्याप्त असंतोा व उनकी कठिनाई दूर हो सकेगी।